[श्री रामावतार शास्त्री]

दक्षिण पटना के निवासियों की सुविधा के लिये स्टेशन के दक्षिणी भाग कर बिगहिया में आरक्षण की सुविधा थी। परन्तु 20 अक्तूबर को उनसे यह सुविधा भी छीन ली गई है और दस वर्षों से चले आ रहे इस आरक्षण कार्यालय को बन्द कर दिया गया है जिसके फलस्वरूप पटना के निवासियों में घोर क्षोभ है।

अतः रेल मंत्री से मेरा अनुरोध होगा कि वह रेलवे प्रशासन के इस जन-विरोधी-निर्णय को रद्द कर दें, पूर्व रेलवे के पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पूर्व की तरह दैनिक आरक्षण व्यवस्था चालू रखें, करबिगहिया में बन्द आरक्षण व्यवस्था को पुनः चालू कर दें और दोनों स्थानों पर आरक्षण व्यवस्था को और मजबूत करें।

आशा है रेल मंत्री का ध्यान इस ओर फौरन आकृष्ट होगा।

(x) MISBEHAVIOUR WITH A MEMBER OF PARLIAMENT BY YOUTH CONGRESS (I) WORKERS.

श्री कल्पनाथ सोनकर : (बस्ती) : उपाध्यक्ष महोदय, 28-8-82 को जब में अपने क्षेत्र बस्ती से लखनऊ मेल द्वारा सुबह सवा आठ बजे नई दिल्ली स्टेशन पहुंचा तो लगभग दो ढाई सौ यूथ कांग्रेस (ई) के कार्यकर्ताओं ने नारे लगाये और मेरे उपर टूट पड़े ; मुझे बहुत मारा पीटा और मेरे कपड़े फाड़ दिये और मुझे नंगा कर दिया। स्टेशन पर खड़ी पुलिस यह सब देखती रहीं और मेरे बार-बार कहने पर भी कुछ नहीं बोली। जब यूथ कांग्रेस वालों ने बिजली के खंबे से लगा कर मेरा गला दबाकर मेरी जान लेने की कोशिश की तो मैं "जान बचाओ" कह कह चिल्लाया। तब मेरे दो अंगरक्षकों में से एक ने हवाई फायर कर के आक्रमणकारियों को भगाया।

SHRI JAGDISH TYTLER (Delhi Sadar): Let him say it. I know it. Since you allowed him to say it...

MR. DEPUTY SPEAKER: That has been approved by the Speaker. He is reading it.

SHRI KALPNATH SONKAR: Yes.

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Please dont interrupt. Don't interrupt.

(*Interruptions*)

He has given a copy and it has been approved by me. Yes. Please sit down.

SHRI JAGDISH TYTLER: I am raising on a point of order.

MR. DEPUTY SPEAKER: You cannot raise a point of order. Why are you raising a point of order? No. there is no point of order in that. Please sit down.

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Since he is permitted, he has got every right to make that statement.

DR. KRUPASINDHU BHOI: No, how can he make?

MR. DEPUTY SPEAKER: It is all right. I have permited him to continue. Please sit down.

श्री कल्पनाथ सोनकर : भागकर जब स्टेशन के बाहर आने लगा तब आक्रमणकारियों ने पुनः इकट्ठा होकर मेरे ऊपर सोडा की बोतलें फेंकी और स्टेशन के बाहर पुलिस से कई बार टैक्सी दिलाने का अनुरोध किया। लेकिन उन्होंने कोई मदद नहीं की। मैं एक मित्र की गाड़ी से घर आया।

इस घटना की रिपोर्ट मैंने पुलिस को तत्काल दिया, चोटें दिखायीं। आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। एक हरिजन संसद सदस्य पर इस तरह का आक्रमण शर्मनाक तथा निन्दनी है।

आश्चर्य तो यह है कि मेरे दोनों अंग-रक्षकों को उप पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद ने अगली गाड़ी से लौट आने का निर्देश किया और वे लौट भी गये।

दिनांक 26–9–82 को मुझे सुबह सात बजे मेरे घर से बिना कोई वारन्ट कारण या आधार के अवैधानिक ढंग से गिरफ्तार किया और यह कह कर कि सुल्तानपुर ले चल रहे हैं, बस्ती सुल्तानपुर के रास्ते से अलग कप्तानगंज के पास जंगल में मनवर नदी के किनारे ले गये और वहां मुझे 9 बजे से पौने दो बजे दोपहर तक नाजायज ढंग से रखा। इस बीच पुलिस वालों को फुसफुसाहट और चारों ओर से घेरने की तैयारी से यह साफ था कि वे मुझे एनकाउन्टर करना चाहते थे। सौभाग्य से वहां पौने दो बजे ही संजय गांधी विचार मंच के कार्यकर्ता आ गए और चिल्लाने लगे कि आप लोग सोनकर साहब के साथ क्या कर रहे हैं। तब पुलिस वाले घबड़ा गये और सुल्तानपुर जेल ले आये। जेल में मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

मेरे क्षेत्र बस्ती में अपराध बहुत होते हैं। कई विधायक, तथा संसद सदस्यों को अपनी संसदीय जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।

अंगरक्षक की व्यवस्था है। अकारण एक तरफा मेरे अंगरक्षक हटाने का कोई औचित्य नहीं। आप हमारे अधिकारों के संरक्षक है। अनुरोध है कि शासन को मेरी सुरक्षा की व्यवस्था के लिये निर्देश दें। मेरी मांग है कि इस मामले की जांच के लिये एक सर्वदलीय संसदीय समिति बने ताकि तथ्यों की जानकारी इस सदन के सामने आ सके।

(*Interruptions*)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Whatever is said now will not go on record. (*Interruptions*)**

(xi) STRIKE BY R.M.S. EMPLOYEES IN MADHYA PRADESH.

श्री रामेश्वर नीखरा (होशंगाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में आर० एम० एस० कर्मचारियों द्वारा दिनांक 7 अक्तूबर, 1982 से वर्क टु रूल, रेफ्यूजल आफ ओवरटाइम, नान कोआपरेशन विद द डिपार्टमेंट आदि आन्दोलन चलाये जा रहे हैं, जिससे हर रेलवे स्टेशन पर हजारों थैले डाक इकट्ठी हो गई है और आम जनता को बहुत बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इससे हजारों बेरोजगार नौजवानों को साक्षात्कार पत्र, नौकरी पत्र, मनी आर्डर आदि सब नहीं मिल रहे हैं। हड़ताल करने वाली यूनियन कर्मचारियों को डरा धमका रही हैं और उन्हें काम पर नहीं जाने दे रही हैं। हड़ताल मध्य प्रदेश सर्कल द्वारा आर० एम० एस० की पालिसी बदल देने के कारण हुई है। अभी वर्तमान में जो पालिसी चालू की गई है, उससे पूरी डाक व्यवस्था गड़बड़ा गई है। मध्य प्रदेश सर्कल के आर०एम०एस० के 8 सैक्शन ड्रॉप जट कर दिए गए हैं और जो डिस्ट्रिक्ट पैटर्न सार्टिंग सिस्टम लागू किया है, उससे बड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। नाइट ड्यूटी समाप्त कर देने से भी डाक में गड़बड़ी हुई है। वहां पर अनट्रेन्ड लोगों को अस्थायी रूप से भर्ती कर कार्य कराने की जो व्यवस्था है, वह पूरी तरह से फेल हो चुकी।

आपके माध्यम से मैं भारत सरकार के संचार मंत्री महोदय से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह अतिशीघ्र व्यवस्था में सुधार करें, भोपाल में ही एक ट्रेनिंग सेंटर प्रारंभ करें और कर्मचारियों की जायज